**Publication :** Shah Times **Region :** New Delhi

**Date :** Dec 08, 2010

# स्कूल ऑफ टूमॉरो का सफलतापूर्वक आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आईडिस्कवरी के द्वारा आयोजित स्कूल ऑफ टूमॉरो के दूसरे संस्करण, जो कि एक्सीड नामक नवीन शिक्षा पर आधारित एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का हिस्सा है, में कई विचारकों और शिक्षाविदां ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के तहत यह लोग उच्च गुणवत्ता युक्त और ऊर्जावान परिचर्चा में लीन हुए, जिससे स्कूली शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने का रास्ता साफ हो सके। एक साथ नई दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद और चैन्नई में आयोजित स्कूल ऑफ टूमॉरो भारतीय परिपेक्ष्य में विचारकों और शिक्षा क्षेत्र में नेतृत्व का सृजन करने के लिए एक द्वितीय प्रयास रहा। इस कार्यक्रम को सभी चार शहरों में इंटरनेट और वीडियोकांफ्रेंसिंग तकनीक के जरिये बिना रूकावट बेहतर ढंग से प्रसारित किया गया।

इस अवसर पर अपने संदेश में डा. अब्दुल कलाम ने सभी श्रोताओं ने अपने उस दृष्टिकोण से अवगत कराया, जिसमें यह बताया गया है कि भारत को एक बौद्धिक महाशक्ति बनने के लिए किस तरह के नागरिकों की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के शुरूआती सालों में उन्हें दिए जाने वाले मूल्यों, गुणों और व्यवहार से जुड़ी अपनी अपेक्षाओं से भी शिक्षकों को अवगत कराया। हावर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन के वरिष्ठ प्रोफेसर और प्रोजेक्ट जीरो अनुसंधान कार्यक्रम के सह संस्थापक प्रो. डेविड पार्किंस ने प्रभावशाली स्कूलों के भविष्य के आकार प्रकार के बारे में बोलते हुए यह जानकारी दी कि वर्तमान में ऐसा क्या किया जा सकता है, जिससे उपलब्ध इन अवसरों का पूरा-पूरा लाभ उठाया जा सके। हावर्ड विश्वविद्यालय के प्रो. डेविड पार्किंस ने कहा कि एक शिक्षक की तरह हम सभी ऐसी शिक्षा देना चाहते हैं।